फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 34 प्रभात जयपुर, रविवार 4 सितम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

**You can't get emotional about coach's job, it will come to an end: Mickey**

Indeed, yes. I look back on each assignment with pride and affection.

**Adult's Dementia Risk**

**PSYCHOLOGY: Be Kind To Yourself**

Self-compassion is being an ally to yourself rather than an enemy.

*कोलम्बिया में बर्ड वॉचर युर्गेन वेगा ने एक दुर्लभ हमिंगबर्ड की खोज की है जो गत एक दशक से लुप्त थी। सैंटा मार्टा सेबरविंग चिड़िया आखिरी बार 2010 में देखी गई थी। वैज्ञानिकों को आशंका थी कि, यह प्रजाति लुप्त हो गई है क्योंकि, इसके मुख्य आवास, उष्णकटिबंधीय वनों को कृषि के लिए काटा जाता रहा है। बड़े आकार की यह हमिंगबर्ड केवल कोलम्बिया के सिएरा नेवाडा की सैंटा मार्टा पहाड़ियों में ही मिलती है। इसके पुनः नज़र आने से ऑर्निथॉलजिस्ट बहुत खुश हैं। वैसे यह केवल तीसरी बार है जब इसकी तस्वीर ली गई है। पहली बार 1946 में, फिर दूसरी बार 2010 में वैज्ञानिकों ने रिसर्च के लिए जंगल में इसकी तस्वीरें ली थीं और हाल ही में ली गई तस्वीर तीसरी है। संरक्षण संगठनों, सेल्वा, प्रोकैट कोलम्बिया और वर्ल्ड पैरट ट्रस्ट के लिए काम करते समय वेगा को यह दुर्लभ चिड़िया नज़र आई। उपरोक्त संगठन, सैंटा मार्टा पहाड़ियों के स्थानिक पक्षियों का सर्वे करते हैं। वेगा ने कहा "जैसे ही मैंने इस हमिंगबर्ड को देखा तो मुझे सैंटा मार्टा सेबरविंग का ख्याल आया। मैंने इसकी तस्वीरें भी लीं, हालांकि मुझे शक था कि यह लैज़्युलाइन सेबरविंग भी हो सकती है। जिसे लेकर अक्सर सैंटा मार्टा सेबरविंग का भ्रम हो जाता है।" आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट में सैंटा मार्टा सेबरविंग को "क्रिटिकली एन्डेन्जर्ड" (गंभीर रुप से संकटग्रस्त) वर्ग में रखा गया है और यह चिड़िया, रीवाइल्ड्स सर्च फॉर लॉस्ट बड्र्स नाम के संरक्षण संगठन की टॉप टैन मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में भी है। यह संगठन उन प्रजातियों की खोज करता है जो दस साल से लम्बे समय से नज़र नहीं आई हैं। सैंटा मार्टा सेबरविंग बेहद दुर्लभ और एकान्तवासी पक्षी हैं। वेगा ने जो हमिंगबर्ड देखी वह नर थी और उन्होंने इसे इसके चमकीले हरे पंखों, सुर्ख नीले गले और मुड़ी हुई काली चोंच से पहचाना। यह पेड़ की शाखा पर बैठी थी और गा रही थी। संभवतया यह व्यवहार प्रणय या क्षेत्र की सुरक्षा से संबंधित था। इस खोज से पता चलता है कि, दुर्लभ व खतरे में आ चुकी प्रजातियों के बारे में हमें अभी बहुत कुछ जानना है। अब अगला कदम इस प्रजाति की आबादी की तलाश करना है, ताकि इनके संरक्षण के बेहतर प्रयास किए जा सकें।*

# नॉर्थ ईस्ट में नीतीश की पार्टी को भारी झटका

## 5 जे.डी.यू. के विधायकों का भाजपा में विलय हुआ

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। मणिपुर जेडी (यू) के पाँच विधायकों के सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाने के एक दिन बाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्णय लिया कि वे अगले सप्ताह 5 सितम्बर को यहाँ आयेंगे तथ विपक्षी एकता के अपने प्रयासों को गति देने के लिये, गैर-भाजपा दलों के नेताओं से भेंट करेंगे।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की पटना में नीतीश कुमार के साथ मीटिंग होने के बाद, विपक्षी एकता के प्रयासों को कुछ बल मिला है।

जेडी (यू) के वरिष्ठ नेताओं ने पटना में मीडिया को जानकारी दी कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष में एकजुटता पैदा करने के प्रयास के अन्तर्गत, विभिन्न विपक्षी दलों के राजनेताओं के साथ मीटिंग करने के लिय, 5 सितम्बर को दिल्ली जायेंगे।

सूत्रों ने कहा कि ऐसी आशा है कि वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ भी मीटिंग करेंगे जो इस समय उनकी गठबंधन सरकार में शामिल हैं। वे दो दिन बाद बिहार लौट जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भाजपा को गच्चा देने के बाद, नीतीश कुमार सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के सम्पर्क में बने हुये हैं।

- **बौखला कर नीतीश कुमार ने दिल्ली की यात्रा का प्रोग्राम बनाया। दिल्ली में नीतीश विपक्ष की एकता का अभियान चलायेंगे तथा विपक्ष के नेताओं से इस मुद्दे पर गंभीर मंत्रणा करेंगे। नीतीश का तर्क है, अगर विपक्ष एक होकर चुनाव नहीं लड़ेगा तो, विपक्षी दलों का वो ही हश्र होगा जो शिव सेना का महाराष्ट्र में तथा जे.डी.यू. का मणिपुर में हुआ।**

जेडी (यू) चाहती है कि नीतीश कुमार जो सबसे ज्यादा लम्बे समय तक बिहार के मुख्यमंत्री बने हुये हैं, अब "राष्ट्रीय भूमिका" निभाएं। ऐसी संभावना है कि वे आम आदमी पार्टी प्रमुख तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से भी बातचीत करेंगे।

एक और प्रमुख नेता, जिनसे कुमार के भेंट करने की संभावना है, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला हैं, जिनसें नीतीश उस समय से परिचित हैं, जब ये दोनों नेता लोक दल में थे।

चौटाला अपने इंडियन नैशनल लोक दल को पुनर्जीवित करके, भाजपा को चुनौती देना चाहते हैं जो हरियाणा की सत्ता में लगातार दूसरी बार आई है।

इससे पूर्व, मणिपुर जनता दल (यूनाइटेड) के पाँच विधायकों के सत्तारूढ़ भाजपा मे मिल जाने के एक दिन बाद, कुमार ने विस्मय प्रदर्शित करते हुये कहा था कि क्या यह "संवैधानिक" है। इसके साथ ही, उन्होंने पूरी दृढ़ता के साथ यह भी कहा था कि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये विपक्ष एकजुट होगा।

बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा था, "जब हम एन.डी.ए. से अलग हुये थे, मणिपुर के हमारे सभी छः विधायक आये थे और हमसे मिले थे। उन्होंने हमें आश्वस्त किया था कि वे जेडीयू के साथ हैं। हमें यह सोचने की जरूरत है कि आखिर हो क्या रहा है। वे (भाजपा) पार्टियों के विधायकों को तोड़ रहे हैं, क्या यह संविधान सम्मत है?"

कुमार ने आगे कहा था, "2024 के चुनावों के लिये विपक्ष एकजुट होगा।"

ज्ञाहिर है, पाँच जनता दल (यूनाइटेड) विधायकों के भाजपा में विलय से नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को धक्का लगा है।

विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार मणिपुर विधानसभा के स्पीकर संवधिान की दसवीं अनुसूची के तहत जद (यू) के पाँच विधायकों का भाजपा में विलय स्वीकार करने को तैयार थे।

इनमें के.एच. जोएकिशन सिंह, एन. गुरसंगलूर मानाटे, मोहम्मद उद्दीन, थांगजाम, अरूण कुमार और एल.एम. खाउटे शामिल हैं।

हाल ही हुए विधानसभा चुनावों में, जिनके गत 10 मार्च को परिणाम घोषित किए गए थे, भारतीय जनता पार्टी ने 60 सदस्यीय विधानसभा में 32 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था।

इससे पहले अरूणाचल प्रदेश में जद (यू) के कई विधायकों ने भाजपा में शामिल होकर नीतीश कुमार की पार्टी को झटका दिया था और 25 अगस्त को अरूणाचल प्रदेश के एकमात्र जद (यू) विधायक टैकी कासो की राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खाण्डू की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए थे, जिसकी वजह से कुल 60 विधायकों में से अब

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'शबाना आजमी, नसीरूद्दीन शाह व जावेद अख्तर, टुकड़े-टुकड़े गैंग की "स्लीपर सैल" हैं'

## मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने फिल्म जगत की इन तीनों हस्तियों को टुकड़े-टुकड़े गैंग का एजेंट बताया

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। मध्य प्रदेश के मन्त्री नरोत्तम मिश्रा ने आज भारतीय फिल्मों के सुप्रसिद्ध कलाकारों-शबानों आज़मी नसीरूद्दीन शाह तथा जाने माने गीतकार जावेद अख्तर को "टुकड़े-टुकड़े गैंग" का एजेंट बताया। ज्ञातव्य है कि आर.एस.एस. भाजपा समर्थक अपने विरोधियों तथा आलोचकों को निशाना बनाते समय इसी शब्दावली का प्रयोग किया करते हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के स्थान पर मुख्यमंत्री पद सँभालने के आकाँक्षी इन मन्त्री महोदय ने इन अभिनेत्री-अभिनेता तथा गीतकार पर निशाना साधते हुये आरोप लगाया कि ये लोग केवल भाजपा-शासित राज्यों के मुद्दों पर ही मुखरित होते हैं।

मिश्रा ने कहा, "शबाना आज़मी, नसीरूद्दीन शाह तथा जावेद अख्तर जैसे लोग "टुकड़े-टुकड़े गैंग" को स्लीपर सैल के एजेंट हैं तथा ये केवल उन्हीं घटनाओं पर शोर-गुल करते हैं जो भाजपा-शासित राज्यों में घटित होती हैं।"

आर.एस.एस.-भाजपा ने "टुकड़े-टुकड़े" गैंग शब्दावली का प्रयोग 2015 के आरम्भ में उस समय शुरू किया था, जब भाजपा की विद्यार्थी शाखा ए.बी.वी.पी. के नेताओं ने अपने अपने प्रतिद्वन्द्वी जवाहर लाल नेहरू विश्व विद्यालय छात्र संघ के नेताओं को "टुकड़े-टुकड़े" गैंग का हिस्सा बताया था तथा कहा था कि ये लोग देश को बाँटना चाहते हैं।

आज़मी ने बिलकीस बानो केस के बारे में बहुत कुछ कहा है। ज्ञातव्य है कि गुजरात सरकार ने इस केस के अपराधियों को 15 साल जेल में रहने के बाद रिहा कर दिया था।

आज़मी ने एक समाचार चैनल को दिये एक इन्टरव्यू में कहा था," (बिलकीस बानो के लिये) मेरे पास इसके सिवा कोई शब्द नहीं है कि मैं बहुत अधिक शर्मिन्दा हूँ। इसके अलावा, मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं।"

भाजपा नेता तथा मन्त्री मिश्रा ने आज़मी पर आरोप पर लगाया कि आज़मी उन घटनाओं के बारे में कुछ नहीं बोलतीं, जो कांग्रेस-शासित राज्यों में घटित होती हैं।

मंत्री ने कहा, "राजस्थान में कन्हैया लाल की हत्या कर दिये जाने या झारखंड में एक महिला को ज़िन्दा जला दिये जाने पर कुछ नहीं कहा था।"

उन्होंने आगे कहा, "टुकड़े-टुकड़े गैंग या अवार्ड-वापसी गैंग को ये चीजें बिल्कुल दिखाई नहीं देतीं। यह चीज़ उनकी खराब मानसिकता को उजागर करती है। इन लोगों को कोई सभ्य या धर्म निरपेक्ष कैसे कह सकता हैं ?

अभी हाल ही में, बिलकीस बानो केस के 11 अपराधियों की रिहाई के निर्णय का महिला एवं विद्यार्थी ग्रुप विरोध कर रहे थे, उनमें आज़मी शामिल हो गई थीं।

- **मिश्रा का तर्क है, ये लोग केवल भाजपा शासित राज्यों के मुद्दों को ही "हाई लाइट" करते हैं और कांग्रेस शासित प्रदेशों को घटनाओं पर चुप्पी साधे रहते हैं, उदाहरण के लिये, कन्हैया लाल की गर्दन काट कर हत्या व झारखण्ड में महिला को जिंदा जलाने की वारदातों पर उनकी जुबान नहीं खुलती।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## सिब्बल की शिकायत?

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने एडवोकेट विनीत जिन्दल के इस निवेदन को अस्वीकार कर दिया है कि सर्वोच्च न्यायालय के कुछ फैसलों के खिलाफ वरिष्ठ एडवोकेट तथा राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल द्वारा हाल ही में दिये गये बयानों को लेकर, उनके खिलाफ

- **एटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की शिकायत खारिज कर दी है। यह शिकायत अधिवक्ता विनीत जिंदल ने सिब्बल द्वारा सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ दिए गए हालिया बयानों के आधार पर दर्ज की थी।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'अगर अमेरिका ने ताईवान को हथियार बेचे तो, चीन भी जवाबी कार्यवाही करेगा'

## चीन के वॉशिंगटन स्थित दूतावास ने वक्तव्य देकर अमेरिका को चेताया

**-सुकुमार साह-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। इसे एक संभावित विस्फोटक सैन्य कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका ने ताईवान को 60 एंटी शिप मिसाइल्स और 100 एयर टू एयर मिसाइल्स सहित 1.1 बिलियन डॉलर के सैन्य उपकरणों की बिक्री प्रस्तावित कर चीन पर एक और उत्तेजनात्मक प्रहार किया है।

विदेश एवं रक्षा नीति के विशेषज्ञ इस घटनाक्रम को "विस्फोटक" मानते हैं क्योंकि चीन भी हाथ पर हाथ धर कर बैठने वालों में से नहीं है।

वास्तव में वॉशिंटगन स्थित चीन के दूतावास ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यदि ताईवान को हथियारों की बिक्री की जाती है तो स्थिति के अनुसार आवश्यक जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ए.एफ.पी. और बी.बी.सी. के अनुसार दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि हथियारों की संभावित बिक्री से अमेरिका-चीन संबंध गंभीर रूप से बिगड़ जाएंगे।

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रैजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी के पिछले माह हुए ताईवान दौरे के बाद चीन ने इस द्विपीय राष्ट्र के चारों और आक्रामक मिलिटरी ड्रिल्स की थीं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने उसके बाद ताईवान के लिए मिलीटरी हार्डवेयर पैकेज मंजूर किया था। पेलोसी हाल ही के वर्षों में ताइपे का दौरा करने वाली अमेरिका की हाईएस्ट रैंकिंग नेता है।

समाचार एजेंसी रॉयटर की एक रिपोर्ट कहती है कि हथियारों की प्रस्तावित बिक्री में एयर टू एयर और सतह से सतह पर मार करने वाली साइड विण्डर मिसाइल्स हैं, जिनकी कीमत करीब 85.6 मिलियन डॉलर है। इसके अलावा करीब 355 मिलियन डॉलर

- **अमेरिका का इस बारे में कहना है कि, हाल ही में चीन ने ताईवान के चारों तरफ, आक्रामक मिलिटरी ड्रिल की, इस उत्तेजनात्मक कार्यवाही से ताईवान की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है, अतः अमेरिका ताईवान की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिये ताईवान को ये हथियार बेच रहा है।**
- **जैसा कि विदित ही है, अमेरिका ने ताईवान को 1.1 अरब डॉलर के हथियार व अन्य रक्षात्मक सामान बेचने का निर्णय लिया है।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## रक्षा रत्नों की बिक्री?

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने शनिवार को ट्वीट किया कि कितना बड़ा विरोधाभास है कि भाजपा सरकार, जो रक्षा क्षेत्र में "आत्मनिर्भरता" की घोषणा एवं दावे करती है, रक्षा -क्षेत्र के तीन रत्नों बी.ई.एम.एल., गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स तथा एम.आई.डी.एच.ए.एन.आई. को बेच रही है।

उन्होंने कहा कि सामरिक दृष्टि से, ये तीनों ही अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इन्होंने देश को बहुत अच्छी सेवाएं दी हैं

- **कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने रक्षा क्षेत्र की तीन बड़ी स्वदेशी कम्पनियों को बेचने की सरकार की योजना पर निशाना साधा।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# केन्द्र व तेलंगाना के बीच छींटाकशी और तेज हुई

## इस बार छींटाकशी की शुरूआत वित्त मंत्री सीतारमन की राशन की दुकान पर पोस्टर नहीं लगे होने पर की गई टिप्पणी से हुई

**-लक्ष्मण वैंकट कुची-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। तेलंगाना में राशन की दुकान पर मोदी का पोस्टर नहीं होने से चुनावाधीन इस राज्य में आर्थिक काम काज को चर्चा का मुद्दा बना दिया है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण ने तेलंगाना में राशन की एक दुकान में मोदी का पोस्टर नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई और गरीबों को चावल देने पर राज्य के योगदान को लेकर उन्होंने जिलाधीश से सवाल जवाब किए इसके बाद तीखी बयानबाजी शुरु हो गई। राज्य के नेताओं ने तथ्यों व आंकड़ों के आधार पर वित्त मंत्री पर जोरदार प्रहार किए।

तेलंगाना की यात्रा के दौरान केन्द्रीय वित्त मंत्री ने एक राशन की दुकान का दौरा किया तथा मोदी का पोस्टर नहीं देखकर वे नाराज हो गईं और वहां मौजूद अधिकारियों को फटकारा कि खाद्यान्न वितरण का सबसे ज्यादा पैसा केन्द्र सरकार खर्च कर रही है। उन्होंने जिला कलैक्टर को फटकारा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि इसमें राज्य सरकार का योगदान कितना है। उनके लहजे को लेकर राज्य में सत्तारूढ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस.) के अधिकांश नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना की।

राशन की दुकान में मोदी का पोस्टर नहीं होने पर उनका गुस्सा समझ में आता है क्योंकि इससे गरीबों को मुफ्त अनाज देने का श्रेय लिया जा सकता है। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी चुनावों में भाजपा का वोट बैंक बन गए हैं।

केन्द्रीय वित्त मंत्री के इस व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए टी.आर.एस. के कार्यकारी अध्यक्ष तथा राज्य के उद्योग एवं आई.टी. मंत्री के.टी. रामाराव ने तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर प्रहार किया और घोषणा की कि भाजपा शासित राज्यों को तेलंगाना जो टैक्स केन्द्र को अदा करता है, उसके लिए भाजपा शासित राज्यों को तेलंगाना का शुक्रिया अदा करना चाहिए। केन्द्रीय वित्त मंत्री का दावा था कि चूंकि मुफ्त चावल योजना के लिए सबसे ज्यादा पैसा केन्द्र सरकार देती है, इसलिए राशन की दुकानों में प्रधानमंत्री मोदी का पोस्टर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कलैक्टर की की ड्यूटी है कि वो यह सुनिश्चित करे कि राशन की दुकानों में मोदी के पोस्टर लगे हों।

कलैक्टर की उनके गरिमापूर्ण व्यवहार के लिए प्रशंसा करते हुए के.टी.आर. ने वित्त मंत्री के इस लैक्चर का जवाब देने के लिए तथ्यों और आंकड़ों का हवाला दिया कि मोदी सरकार दानदाता कैसे है।" उन्होंने दावे से कहा कि तेलंगाना द्वारा देश को दिए गए प्रत्येक एक रूपए में से उसे बदले में 46 पैसे मिले। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 के वित्त वर्ष में तेलंगाना ने 46 हजार 117 करोड़ रूपयों का अंशदान दिया जबकि उसे केन्द्र सरकार से बदले में 28 हजार 163 करोड़ रूपए ही मिले। इसके बाद उन्होंने इनकम टैक्स, सैन्ट्रल एक्साइज, कस्टम्स ड्यूटी, सर्विस टैक्स और सी.जी.एस. की संभावित बिक्री से अमेरिका-चीन संबंध गंभीर रूप से बिगड़ जाएंगे।

- **सीतारमन ने इस बात पर आपत्ति जतायी कि, राशन की दुकान पर मोदी की फोटो वाला पोस्टर नहीं लगा था।**
- **सीतारमन के अनुसार, जब राशन की दुकान से मुफ्त चावल मिलने की स्कीम का अधिकांश पैसा केन्द्रीय सरकार देती है, तो दुकान पर मोदी की फोटो वाला पोस्टर लगाना वाजिब है। सीतारमन ने कलैक्टर को भी आड़े हाथ लिया, जब वह तुरंत जवाब नहीं दे सका कि, मुफ्त चावल वितरण की स्कीम का पैसा कहाँ से और कितना आता है।**
- **तेलंगाना के मंत्री के.टी. रामाराव ने राज्य सरकार का पक्ष पेश करते हुए, कटाक्ष किया कि, केन्द्र सरकार को व अन्य राज्य सरकारों को तेलंगाना को धन्यवाद देना चाहिये, राज्य से आयकर, जी.एस.टी., कस्टम, एक्साइज़ के मार्फत लगभग छयालिस हजार करोड़ रूपये केन्द्र को भेजने के लिये, जबकि तेलंगाना को केन्द्र से विभिन्न योजनाओं में केवल 28 हजार करोड़ रूपये ही प्राप्त होते हैं।**
- **तेलंगाना के मंत्री के अनुसार, अगर तेलंगाना एक रूपये केन्द्रीय सरकार की रैवेन्यु में देता है तो, उसे केवल 46 पैसे ही केन्द्र से मिलते हैं।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 'केस लिस्टिंग'

**-जाल खंबाता-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 3 सितम्बर। बार काउन्सिल ऑफ इंडिया (बी.सी.आई.) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने इस बात के लिये भारत के नये मुख्य न्यायाधीश उदय उमेश ललित की भूरि-भूरि प्रशंसा की है कि वे सर्वोच्च न्यायालय में केसों की लिस्टिंग की बड़ी समस्या, जो पिछले कई सालों से यथावत बनी हुई है, को ठीक कर रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के चार जजों

- **बार काउन्सिल ऑफ इण्डिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने भारत के नई चीफ जस्टिस उदय उमेश ललित की जोरदार प्रशंसा की, जिन्होंने आते ही सुप्रीम कोर्ट में केस लिस्टिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित कर दी है।**

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )